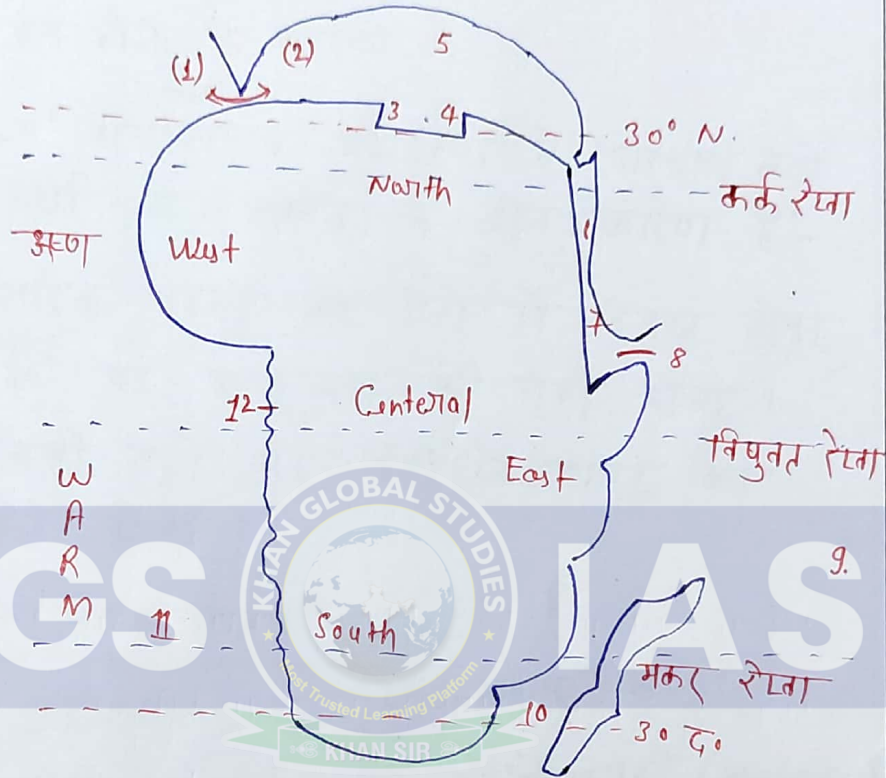


अफ्रीका महाद्वीप



- | | |
|---------------------------|-----------------------|
| 1- जिब्राल्टर जलसंधि | (8) अदन की खाड़ी |
| 2. भूमध्य सागर / रिडैनियन | (9) हिन्द महासागर |
| 3. गिब्राल्टर की खाड़ी | (10) मोजांबिक चैनल |
| 4. सिद्रा की खाड़ी | (11) अटलांटिक महासागर |
| 5. भूमध्य सागर | (12) गिनी की खाड़ी |
| 6. लाल सागर | |
| (*) बाब-अल-मण्डेब जलसंधि | |

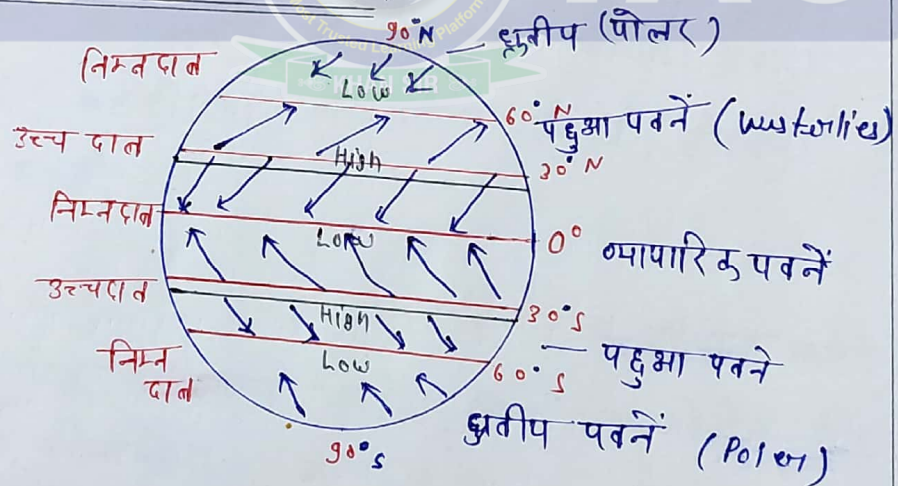
पृथिवी के उत्तर अटलांटिक महासागर 20-30° अक्षांशीय पट्टी व महाद्वीपों के पश्चिमी तटों पर वर्षा पाए जाते हैं।

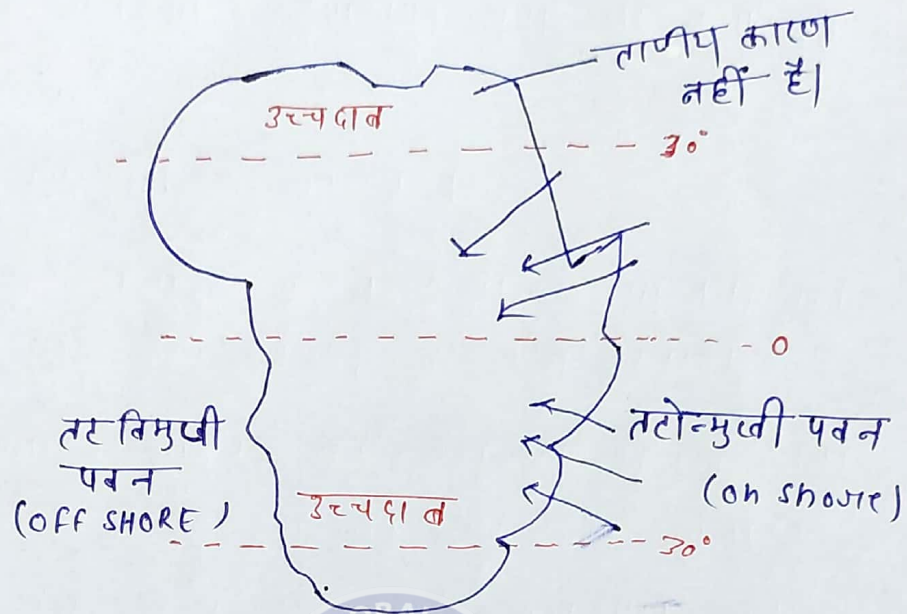
→ वर्षा कम होने के कारण ।

↓
20°-30° अक्षांश व महाद्वीपों के पश्चिमी तटों पर वर्षा के अभाव के तीन कारण हैं:-

- 1- व्यापारिक पवनों का तटों से विमुक्त होना
- 2- 20°-30° पर उच्च दाब की पट्टी होना ।
- 3- पश्चिमी तटों पर ठंडी जलधारा का प्रवाहित होना ।

पृथ्वी पर पवन परिसंचरण :-





• कर्क रेखा पर स्थित अफ्रीकी देश - पश्चिमी सहारा, नारजर, भल्जीरिया, मॉरिटानिया, मिस्र, लीबिया और माली ।

• विषुव रेखा पर स्थित अफ्रीकी देश → गैबान, कांगो, लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा, केन्या, साभोटोम और श्रिंतिपे, सोमालिया, कांगो ।

• मकर रेखा पर स्थित अफ्रीकी देश → नामीबिया, बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, मोजाम्बिक, मेटागास्कर,